दर्शन करने आऊं मैं | By Sunita Yadav

पलका ने खोलो ना बाबा दर्शन करने आऊं मैं
दर्शन करने आऊं मैं दर्शन करना चाहूँ मैं
पलका ने खोलो ना बाबा.....

तेरी सूरत ओ रे सांवरिया मेरे मन में बसगी सै
देखन ने सिंगार ओ बाबा म्हारो मनडो तरसे सै
मोटे मोटे नैन श्याम के म्हारो कालजो धड़के है
पलका ने खोलो ना बाबा.....

मेरे मन में आवे बाबा पंछी बन उड़ आऊं मैं
खाटू नगरी पहुँच के बाबा थारा दर्शन पाऊं मैं
दिल को हाल सुनाऊँ बाबा थारो भी सुन आऊं मैं
पलका ने खोलो ना बाबा.....

मोरछड़ी को झाड़ो लादे तेरो के घट जावे जी
हाथ उठाके सर पे रखदे थारो के लग जावे जी
तू ना सुने तो ओ रे सांवरिया और कठे मैं जावां जी
पलका ने खोलो ना बाबा.....

दासी सुनीता शीश नवावे थारा भजन सुनावे जी
भूल चूक की माफ़ी मांगे दर्शन करना चाहवे जी
एक बार बाबा दर्शन देदो भव से मैं तर जाऊं जी
पलका ने खोलो ना बाबा.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%b6%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%86%e0%a4%8a%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-by-sunita-yadav/